इंटरस्टिशियल एक्टोपिक प्रेगनेंसी (Interstitial Ectopic Pregnancy)

रोगी सूचना श्रृंखला - आपको क्या जानना चाहिए, आपको क्या पूछना चाहिए।

यह पत्रक आपको यह समझने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि इंटरस्टिशियल एक्टोपिक गर्भावस्था (आईईपी) क्या है, यह कैसे होती है, लक्षण क्या हैं और पुनरावृत्ति का खतरा क्या है।

१) इंटरस्टिशियल एक्टोपिक गर्भावस्था क्या है?

आम तौर पर, जेस्टेशनल सैक गर्भाशय के भीतर एंडोमेट्रियम में प्रत्यारोपित किया जाता है। एक्टोपिक गर्भावस्था की विशेषता गर्भाशय के बाहर जेस्टेशनल सैक का आरोपण और विकास है। इंटरस्टिटियम फैलोपियन ट्यूब का वह हिस्सा है जो गर्भाशय में खुलता है। आईईपी तब होता है जब एक फर्टिलाइज्ड अंडा गर्भाशय के निकटतम फैलोपियन ट्यूब के हिस्से में प्रत्यारोपित होता है।

२) इंटरस्टिशियल एक्टोपिक गर्भावस्था कैसे होती है?

आईईपी ट्यूबल एक्टोपिक गर्भावस्था का एक उपप्रकार है। आईईपी का ख़तरा इन कारणों से बढ़ता है - पिछली एक्टोपिक गर्भावस्था, ट्यूबल सर्जरी, इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ), ओव्यूलेशन इंडक्शन या यौन संचारित रोग (STD)।

३) इंटरस्टिशियल एक्टोपिक गर्भावस्था के लक्षण क्या हैं?

लक्षण अन्य एक्टोपिक गर्भधारण के साथ ओवरलैप हो सकते हैं और इसमें निम्नलिखित लक्षणों का संयोजन शामिल हो सकता है:

(१) एमेनोरिया (मासिक का न आना) एक सामान्य लक्षण है। हालाँकि, कुछ मामलों में, असामान्य रक्तस्राव को मासिक धर्म समझ लिया जाता है, जिससे डायग्नोसिस में बाधा आती है।

(२) यौनी से केवल धब्बे में या फिर लंबे समय तक रुक-रुक कर खून बहना।

(३) पेल्विस में दर्द: एक्टोपिक गर्भावस्था का दर्द अक्सर पेट के एक तरफ होता है जिसे छूने पर दर्द और गंभीर हो जाता है।

(४) कुछ महिलाओं में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल लक्षण (जैसे, मतली और उल्टी) हो सकते हैं, इसलिए डायग्नोसिस एक्टोपिक गर्भावस्था के बजाय गैस्ट्रोएंटेराइटिस बन जाता है।

४) इंटरस्टिशियल एक्टोपिक गर्भावस्था का डायग्नोसिस कैसे किया जाता है?

ट्रांसवजाइनल अल्ट्रासाउंड स्कैन (टीवीएस) सभी एक्टोपिक गर्भधारण के लिए प्राथमिक डायग्नोसिस उपकरण है। इस प्रकार के अल्ट्रासाउंड के साथ, ट्रांसड्यूसर नामक एक उपकरण आपकी वैजाईना में रखा जाता है। ट्रांसवजाइनल अल्ट्रासाउंड आपके डॉक्टर को आपकी गर्भावस्था का सटीक स्थान देखने की अनुमति देता है। हालाँकि, प्रारंभिक और सटीक डायग्नोसिस चुनौतीपूर्ण है क्योंकि गर्भावस्था गर्भाशय या फैलोपियन ट्यूब में अन्य स्थानों पर हो सकती है जिसे इंटरस्टिशियल एक्टोपिक गर्भावस्था का गलत डायग्नोसिस बनाया जा सकता है, जैसे अल्ट्रासाउंड इमेजिंग पर एक्सेंटेरिक अंतर्गर्भाशयी गर्भावस्था या इस्थमिक ट्यूबल एक्टोपिक गर्भावस्था।

यह पुष्टि करने के लिए कि आप गर्भवती हैं, आपका डॉक्टर आपसे रक्त जाँच (जिसे ह्यूमन कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन या ß-hCG कहा जाता है) कराने के लिए भी कह सकते हैं । इस गर्भावस्था में हार्मोन की वृद्धि नार्मल गर्भावस्था के मुताबिक़ धीमी होती है जो डायग्नोसिस का सुझाव दे सकती है लेकिन आईईपी के डायग्नोसिस की पुष्टि करने में मदद नहीं करती है। कभी-कभी, इस रक्त जाँच को हर कुछ दिनों में दोहराया जाता है, जब तक कि अल्ट्रासाउंड से आईईपी की पुष्टि या खंडन नहीं हो जाए।

५) देखने लायक चीज़ें क्या हैं?

यदि इलाज नहीं किया गया, तो आईईपी बढ़ता रहेगा, फटेगा और तीव्र गति से पेट में अत्यंत खून जमा हो जाएगा जिससे मरीज़ को हाइपोवोलेमिक शॉक या यहां तक कि मातृ मृत्यु भी हो सकती है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि यदि आप गंभीर पेट दर्द या किसी अन्य चिंताजनक लक्षण का अनुभव करते हैं, तो आपको तुरंत नजदीकी आपातकालीन विभाग में जाना चाहिए।

६) उपचार के क्या विकल्प हैं?
जीवन-घातक कॉम्प्लिकेशंस को रोकने के लिए, आईईपी को पता चलने के तुरंत बाद हटा दिया जाना चाहिए या उनको बढ़ने से रोकना चाहिए। आपके लक्षणों और बाद में गर्भधारण की इच्छा, सीरम β-एचसीजी स्तर और आईईपी जीवित है या नहीं, के आधार पर, आपके डॉक्टर आपकी जांच करेंगे। आईईपी के लिए प्रथम विकल्प सर्जरी है। यदि एचसीजी स्तर 5000 यूनिट से कम है तो दवाइयों को पहले विकल्प के रूप में पेश किया जाना चाहिए। हालांकि, गर्भावस्था के पूर्ण समाधान में समय लगता है। (यदि मेथोट्रेक्सेट इंट्रामस्क्युलर रूप से दिया जाता है तो 20 सप्ताह और यदि जेस्टेशनल सैक में दिया जाता है तो 16 सप्ताह)।

७) क्या ऐसा दोबारा होगा?
पुनरावृत्ति का जोखिम बेहद कम है। हालाँकि, सर्जिकल हस्तक्षेप द्वारा इलाज किए गए आईईपी के इतिहास वाली महिलाओं में बाद के गर्भधारण के साथ गर्भाशय के फटने का खतरा अधिक हो सकता है, क्योंकि कॉर्नुअल (गर्भाशय का वह हिस्सा जहां फैलोपियन ट्यूब खुलता है) रिसेक्शन गर्भाशय की संरचना को बाधित कर सकता है। भविष्य की सभी गर्भावस्थाओं में अल्ट्रासाउंड स्कैन के साथ साथ गर्भावस्था को समय-समय पर मॉनिटर करना चाहिए।

मुझे और कौन से प्रश्न पूछने चाहिए?

- मेरी अगली अनुवर्ती नियुक्ति कब है?
- भविष्य में स्वस्थ गर्भावस्था होने की मेरी संभावना क्या है?
- दोबारा गर्भवती होने का प्रयास करने से पहले मुझे कितने समय तक इंतजार करना चाहिए?
- यदि मैं दोबारा गर्भवती हो जाऊं तो क्या मुझे कोई विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता होगी?

Last updated 2024